कौन बनेगा पास विद् ऑनर प्रश्नोत्तरी

भाग - (22) खण्ड -{43}

समग्र मुरलियों पर आधारित अधोलिखित प्रश्नों के सबसे उपयुक्त एक ही उत्तर का चयन करें.....

प्रश्न 1- अभी तुम संगमयुग पर हो, तुम्हें कौनसा ख्याल नहीं आना चाहिए ?

A- दूसरों की निंदा करने का

B- पतित बनने का

C- फारगति देने का

D- पुरानी कलयुगी दुनिया का

प्रश्न 2- इनमे से क्या पुरूषार्थ में अलबेला बना देगा ?

A- आलस्य

B- लगाव

C- अहंकार

D- देह अभिमान

प्रश्न 3- कौनसी माला नहीं होती है ?

A- रुद्र माला

B- वैजयन्ती माला

C- ब्राह्मणों की माला

D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 4- ज्ञान धन का दान करने के लिए क्या करना पड़ेगा ?

A- प्रदर्शनी लगाओ

B- योगयुक्त होना पड़ेगा

C- ज्ञान की धारणा

D- विचार सागर मंथन

प्रश्न 5- विजय माला में कौन पिरोये जाते हैं ?

A- जो ज्ञान सागर के नजदीक आ जाते हैं।

B- जास्ती सर्विस करते हैं।

C- जो सागर हुप कर लेते हैं।

D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 6- जो दूसरों को सम्मान नही देता वो क्या नही बनता ?

A- स्वमानधारी

B- सम्मानधारी

C- देवता

D- स्वराज्य अधिकारी

प्रश्न 7- यहाँ तुम्हें सिर्फ बाप को याद करना है, यहाँ तुम्हें क्या करने की दरकार नहीं है ?

A- माथा टेकने की

B- पैर पड़ने की

C- सिर झुकाने की

D- माला फेरने की

प्रश्न 8- कौनसे मन्त्र द्वारा संकल्पों को सिद्ध कर सिद्धि स्वरूप बन सकते हो ?

A ज्ञान का

B याद का

C धारणा का

D सेवा का

प्रश्न 9- जब शिव बाबा सगीर बच्चों की चलन ठीक नहीं देखते हैं तो क्या करते हैं?

A- चमाट मारते हैं।

B- समझाते हैं।

C- हाथ छोड़ देते हैं।

D- वर्सा नहीं देते हैं।

प्रश्न 10- बाप की आज्ञा नहीं मानी तो कौन सजा देगा ?

A- बाप

B- दादा

C- स्वयं

D- धर्मराज

प्रश्न 11- हम अपने आपको और बाप को नहीं जानते इसलिए क्या थे ?

A- पत्थरबुद्धि

B- तुच्छ बुद्धि

C- जानवर बुद्धि

D- असुर

प्रश्न 12- बाप ने तुम्हें कहाँ रखा है ?

A- अपने पास

B- स्वर्ग में

C- संगमयुगी पॉट में

D- तने में

प्रश्न 13-कोई- कोई की तो चलन ऐसी है - जैसे ..... हैं ?

A- कछुए

B- मगरमच्छ

C- केकड़े

D- मकड़ी

प्रश्न 14- ..... तो बुद्धि का ताला भी खुलता जाए। गोल्डन बुद्धि बनती जाए ?

A- विचार सागर मंथन करें

B- सर्विस का शौक हो

C- निर्विकारी यात्रा करें

D- बाप को याद करें

प्रश्न 15- यह मुख्य चित्र जो हैं ..... भी कपड़े पर छप जाएं तो बाहर भी ले जा सकते हो ?

A- त्रिमूर्ति, सीढ़ी, गोला

B- सीढ़ी, गोला, झाड़

C- त्रिमूर्ति, गोला, झाड़

D- त्रिमूर्ति, सीढ़ी, झाड़

प्रश्न 16- ..... का भी ज्ञान गोले में आ जाता है ?

A- झाड़

B- सीढ़ी

C- त्रिमूर्ति

D- सृष्टि चक्र

भाग (22) खण्ड {43} के उत्तर स्पष्टीकरण सहित

उत्तर 1- *D पुरानी कलियुगी दुनिया का*

बाबा जानते हैं कि बच्चों को बाहर रहते, घरबार, खेती-बाड़ी में रहते इतनी बाबा की याद नहीं रह सकती। *तो यहाँ जब आते हो तो सब ख्यालात छोड़कर आओ।* तुम अभी उस कलियुगी दुनिया में हो ही नहीं, *अब तुम संगम पर हो। कलियुग को छोड़ दिया है, बाहर में कलियुग है।* मधुबन जो खास है, यह है संगम इसलिए मधुबन का गायन है।

उत्तर 2- *B लगाव*

किसी से भी लगाव है तो वह लगाव पुरूषार्थ में अलबेला अवश्य बनायेगा। कई बच्चे पूरी मैगजीन पढ़ते नहीं हैं। बच्चों को मैंगजीन पढ़कर सर्विस करनी चाहिए। लिखते हैं बाबा फलानी को बदली कर दो। अच्छी ब्राह्मणी भेज दो। *कोई-कोई ब्राह्मणी के साथ इतना प्यार हो जाता है, ब्राह्मणी बदली होने से गिर पड़ते हैं।* सेन्टर पर आना ही छोड़ देते हैं।

उत्तर 3- *C ब्राह्मणों की माला*

अभी तुमको पता है प्रवृत्ति मार्ग की ही माला है, जो प्रवृत्ति मार्ग में पतित थे, अब शिवबाबा की मत से पावन बन सृष्टि को पावन बना रहे हैं, इसलिए यादगार माला बनी हुई है। रूद्र माला और विष्णु की वैजयन्ती माला है। *ब्राह्मणों की माला नहीं बनती है।*

उत्तर 4- *D विचार सागर मंथन*

बाबा कहते है *मीठे बच्चे - ज्ञान धन का दान करने के लिए विचार सागर मंथन करो, दान का शौक रखो तो मंथन चलता रहे।* अपने आपको तन्दरूस्त रखने के लिए बाबा

द्वारा जो भी ज्ञान घास (मुरली) मिलती है, उसे खाकर फिर उगारना चाहिए अर्थात् मंथन करना चाहिए। जिन बच्चों को मंथन करने की अर्थात् हज़म करने की आदत है, वह बीमार नहीं पड़ सकते। *सदा तन्दरूस्त वह है जिसमें विकारों की बीमारी नहीं।*

उत्तर 5- *D उपरोक्त सभी*

तुम्हारे लिये तो गाया हुआ है - *सागर को हप कर लिया। जो ज्ञान सागर के नजदीक आ जाते हैं, जास्ती सर्विस करते हैं *वही विजय माला में पिरोये जाते हैं।* जितना-जितना जो हप करते हैं और दूसरों का कल्याण करते हैं वह पद भी पाते हैं, जितना धारणा करेंगे उतना खुशी भी होगी।

उत्तर 6- *C देवता*

जितना ही बाप को सम्मान मिलता है उतना ही सब बच्चों को सम्मान देते हैं। *जो देता नहीं है तो देवता बनता नहीं।* देवता अर्थात् देने वाला। *अगर इस जन्म में सम्मान नहीं

दिया तो देवता कैसे बनेंगे,* अनेक जन्मों में सम्मान कैसे प्राप्त करेंगे? फालो फॉदर।

उत्तर 7- *A माथा टेकने की*

बाबा खुद कहते हैं - तुम्हारा बहुत जन्मों के भी अन्त का जन्म है। तुम पुण्य आत्मा थे, सो अब पाप आत्मा बने हो फिर पुण्य आत्मा बनना है। अपना कल्याण तो करना है। यहाँ तुम्हें माथा आदि टेकने की भी दरकार नहीं है, सिर्फ बाप को याद करना है।

उत्तर 8- *B याद के*

आप बच्चे आलमाइटी गवर्मेन्ट के मैसेन्जर हो इसलिए कोई से भी डिस्कस करने में अपना माइन्ड डिस्टर्ब नहीं करना। *याद का मन्त्र यूज़ करना।* जैसे कोई वाणी से या अन्य किसी तरीके से वश नहीं होते हैं तो मन्त्र-जन्त्र करते हैं, *आपके पास आत्मिक दृष्टि का नेत्र और मनमनाभव का मन्त्र है जिससे अपने संकल्पों को सिद्ध कर सिद्धि स्वरूप बन सकते हो।*

उत्तर 9- *B समझाते है*

तुम जानते हो *बाप कहते हैं - मेरा बनकर श्रीमत पर नहीं चलेंगे तो सजा खानी पड़ेगी।* जैसे बाप सगीर बच्चों की चलन ठीक नहीं देखते हैं तो चमाट मार देते हैं, *यह बाप चमाट तो नहीं मारते। सिर्फ समझाते हैं*- प्रतिज्ञा ब्लड से भी लिखकर देते हैं, फिर भी हार जाते हैं।

उत्तर 10- *D धर्मराज*

यह भी तुम्हारे जैसा स्टूडेन्ट है। पढ़ते हैं। बहुत बच्चे हैं - बाप को पहचानते नहीं हैं। *बाप के साथ धर्मराज भी है। बाप कहते हैं मेरी आज्ञा नहीं मानी, मेरी इनसल्ट की तो धर्मराज बहुत सजायें देगा।* डायरेक्ट हमारी अथवा हमारे बच्चे की तुम अवज्ञा करते हो। बाप का एक ही सिकीलधा बच्चा है। प्यार तो है ना। *इनकी इनसल्ट करते तो कितनी सजायें खानी पड़ेंगी।

उत्तर 11- *C जानवर बुद्धि*

यह तो बच्चे जानते हैं कि हम न आत्मा को, न परमात्मा को जानते थे। *न अपने आपको, न बाप को जानते थे इसलिए जैसे जानवर बुद्धि थे।* लौकिक सम्बन्ध में तो अपने को जानते हैं। बाप को भी जानते हैं। इस समय के मनुष्य अपने को और पारलौकिक बाप को बिल्कुल ही नहीं जानते हैं।

उत्तर 12- *C संगमयुगी पॉट में*

अभी तुम कांटों की दुनिया से किनारे में हो। संगम पर हो । कांटों से फूल बन रहे हो। *जैसे माली कांटों को निकाल, फूलों को अलग पॉट में रखते हैं। तुमको भी बाबा ने अलग कर दिया है। तुम संगम पर हो।* तुम्हारी मरम्मत होती रहती है। फिर भी माया कांटा बना देती है फिर भी एक बार हमारा बन गया ना.. तो यह माया के विघ्न भी एक दिन खत्म हो जायेंगे। फिर यह जो पॉट में लगे हुए फूल हैं वह सब स्वर्ग में चले जायेंगे। *कलियुगी कांटें सब भस्म हो जायेंगे।*

उत्तर 13- C - केकड़े

बच्चों को कितना अपार खुशी होनी चाहिए। इस पढ़ाई से हम विश्व के मालिक बनते हैं। *कोई-कोई की तो चलन ऐसी है - जैसे केकड़े हैं।* केकड़ों को बाप देवता बनाते हैं। फिर भी चलन मुश्किल किसकी सुधरती है।

उत्तर 14- D - बाप को याद करें

बच्चे इतना काम नहीं करते। यात्रा ही नहीं करते। *बाप को याद करें तो बुद्धि का ताला भी खुलता जाए। गोल्डन बुद्धि बनती जाए।* तुम बच्चों की पारसबुद्धि होनी चाहिए, बहुतों का कल्याण करना चाहिए।

उत्तर 15- C - त्रिमूर्ति, गोला, झाड़

और धर्म वालों को भी बाबा का परिचय देना है। बाहर वालों को, राजाओं को नॉलेज देनी है। उसके लिए तैयारी करनी चाहिए। बाबा कहते हैं *यह मुख्य चित्र जो हैं -

त्रिमूर्ति, गोला, झाड़ भी कपड़े पर छप जाएं तो बाहर भी ले जा सकते हो।* बड़ा साइज़ नहीं छपे तो दो टुकड़े कर दो।

उत्तर 16- B - सीढ़ी

सीढ़ी का भी ज्ञान गोले में आ जाता है। सीढ़ी डिटेल में बनाई है तो 84 जन्म कैसे लिए जाते हैं। चक्र में सब धर्म वालों का आ जाता है। सीढ़ी में दिखाते हैं कैसे सतोप्रधान फिर सतो रजो तमो में आते हैं, नीचे उतरते हैं।

कौन बनेगा पास विद् ऑनर प्रश्नोत्तरी

भाग - (22) खण्ड -{44}

प्रश्न 1- किसकी अवज्ञा की तो कभी भी चढ़ती कला नहीं हो सकती ?

A- शिव बाबा की

B- ब्रह्मा बाप की

C- मुरली की

D- ब्राह्मण परिवार की

प्रश्न 2- .....के पहले क्यों न हम याद में रह तमोप्रधान से सतोप्रधान बनने का पुरुषार्थ करें ?

A- लड़ाई लगने

B- विनाश होने

C- मौत

D- खूने नाहक खेल

प्रश्न 3- बाबा का स्वरूप इनमे से कौन सा नही है... ?

A- बिंदी

B- सरसों के दाने मिसल

C- खस खस के दाने मिसल

D- स्टार मिसल

प्रश्न 4- तुम जानते हो हम 63 जन्म शरीर द्वारा कितना ..... करते हैं ?

A- पाप कर्म

B- हंगामा

C- डांस

D- नाटक

प्रश्न 5- तुम भी सब पत्नियां हो, यह शिवबाबा पतियों का पति है। तुम्हारी ..... हुई है परमात्मा के साथ?

A- रसम

B- मंगनी

C- सगाई

D- शादी

प्रश्न 6- इनमे से कौनसा सही नही है ?

A- संन्यासी लोग सिर्फ ब्रह्म को याद करते हैं।

B- ब्रह्म तो भगवान है नहीं।

C- सिर्फ घर को याद करेंगे तो जैसे संन्यासी हो जायेंगे

D- सिर्फ घर को याद करेंगे तो घर में पहुँच जाएंगे।

प्रश्न 7- ऐसी अवस्था बनानी है जो अन्तकाल में एक बाप की याद आये। दूसरा कोई याद न आये, उसके लिए बुद्धि में क्या रहे ?

A- बाबा ही मेरा संसार है

B- नई दुनिया आने वाली है।

C- सब विनाश होने वाला है

D- बहुत गई थोड़ी रही

प्रश्न 8- तुम्हें .....में रहकर एक बाप को याद करना है, इसमें घण्टे आदि बजाने की दरकार नहीं हैं?

A- घर

B- मंदिर

C- साइलेन्स

D- आत्म अभिमान

प्रश्न 9- तुम स्वर्ग में गर्भ महल में रहते हो। यहाँ है जेल क्यों ?

A- क्योंकि पतित शरीर है।

B- क्योंकि प्रकृति तमोप्रधान है।

C- क्योंकि कलयुग में दुःख ही दुःख है

D- क्योंकि मनुष्य पाप कर्म करते हैं

प्रश्न 10 - मैसेन्जर अथवा पैगम्बर किसको कहा जाता

A- शिव बाबा

B- ब्रह्मा बाबा

C- ब्राह्मण

D- धर्म स्थापक

प्रश्न 11- कौनसी चीज मांगी जाती है ?

A- जो हमारी होती है

B- जो पहले थी अब नही है

C- जो हमारा जन्मसिद्ध अधिकार है।

D- जो हमें पसन्द है

प्रश्न 12- इनमे से कौनसा सही है ?

A- सिमर-सिमर सुख पाओ, कलह क्लेष मिटे सब मन के।

B- सिमर-सिमर सुख पाओ, कलह क्लेष मिटे सब तन के।

C- सिमर-सिमर सुख पाओ, कलह क्लेष मिटे सब जन के।

D- सिमर-सिमर सुख पाओ, कलह क्लेष मिटे सब धन के।

प्रश्न 13- जब देवतायें वाम मार्ग में जाते है तो कौन भारत को थमाते है ?

A- परमात्मा

B- ब्रह्माकुमार- ब्रह्माकुमारी

C- संन्यासी

D- पतित- पावनी गंगा

प्रश्न 14- रिलीजस कॉन्फ्रेंस में कौन जा सकते ?

A- नॉन बी. के.

B- ब्रह्मा बाबा

C- मम्मा

D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 15- ब्राह्मण कुल में कैसे होकर रहना है ?

A- फरमानदार

B- क्षीरखण्ड

C- आत्माभिमानी

D- आज्ञाकारी

प्रश्न 16- डबल लाइट कौनसी कला की निशानी है ?

A- उडती कला

B- चढ़ती कला

C- दौड़ती कला

D- उतरती कला

भाग (22) खण्ड {44} के उत्तर स्पष्टीकरण सहित

उत्तर 1- B- ब्रह्मा बाप की

चलते-चलते थोड़ा भी अहंकार आया, अपने को होशियार समझा, मुरली मिस की, *ब्रह्मा बाप की अवज्ञा की

तो कभी भी चढ़ती कला नहीं हो सकती।* साकार की दिल से उतरा माना निराकार की दिल से भी उतरा।

उत्तर 2- B - विनाश होने

कोई भी समय लड़ाई बड़ी हो जाए, नियम थोड़ेही है। कहते भी हैं शायद बड़ी लड़ाई हो भी जाये, जो बन्द भी न हो सके। सभी एक दो में लड़ने लग पड़ेंगे। तो *विनाश होने के पहले क्यों न हम याद में रह तमोप्रधान से सतोप्रधान बनने का पुरुषार्थ करें।*

उत्तर 3- C - खस खस के दाने मिसल

अब सब आत्माओं को जाना है मूल वतन। तुम्हारा आवाज़ कुछ भी नहीं इसलिए बाबा मिसाल देते हैं। सरसों के दाने मिसल पीसते हैं। *बाबा भी बिन्दी, सरसों के दाने मिसल है।* खस-खस का दाना भी छोटा होता है। परमात्मा भी बिन्दी है। उनको देखा भी नहीं जाता - दिव्य दृष्टि बिना। *बिल्कुल छोटा स्टॉर मिसल है।*

उत्तर 4- C - डांस

भक्ति की बातें बुद्धि में बैठी हुई हैं। भक्ति मार्ग और ज्ञान मार्ग में रात दिन का फर्क है। *तुम जानते हो हम 63 जन्म शरीर द्वारा कितना डाँस करते हैं।* 63 जन्म कितना भक्ति मार्ग का हंगामा देखते हैं। उसमें भी पहले जब सतोप्रधान भक्ति थी तो एक शिवबाबा की भक्ति करते थे। फिर यह गंगा स्नान आदि बाद में शुरू होते हैं। पहले अव्यभिचारी भक्ति होती है फिर वृद्धि को पाते हैं।

उत्तर 5- C - सगाई

जैसे कन्या की जब शादी होती है तो क्या जाप करती है? याद में रहती है। *तुम भी सब पत्नियाँ हो, यह शिवबाबा पतियों का पति है। तुम्हारी सगाई हुई है परमात्मा के साथ।* सगाई जब हो गई तो बस याद बुद्धि में बैठ गई। खातिरी हो गई कि हमने सगाई कर ली। फिर एक दो को याद करते रहते हैं।

उत्तर 6- D - सिर्फ घर को याद करेंगे तो घर में पहुँच जाएंगे।

अपने को आत्मा निश्चय करो। बस! अब हमको अपने घर जाना है। बाप को ही सब कहते हैं कि हमको दु:ख से छुड़ाए मुक्त करो। *संन्यासी लोग सिर्फ ब्रह्म को याद करते हैं।* अब ब्रह्म तत्व तो है घर। वह घर को याद करेंगे, यहाँ बाप को याद करना है। *सिर्फ घर को याद करेंगे तो जैसे संन्यासी हो जायेंगे। ब्रह्म तो भगवान है नहीं।*

उत्तर 7- C - सब विनाश होने वाला है

यहाँ शिवबाबा के भण्डारे से, पतित-पावन बाप के यज्ञ से परवरिश होनी है, न कि पतित घर से। और किसी की दी हुई चीज़ होगी तो वह याद आयेगा। उसके लिए गायन है अन्तकाल जो स्त्री सिमरे... कितनी अच्छी अवस्था होनी चाहिए।.... *ऐसी अवस्था बनानी है जो अन्तकाल में एक बाप की याद आये। दूसरा कोई याद न आये, बुद्धि में रहे यह सब विनाश होने वाला है।*

उत्तर 8- C - साइलेन्स

तुम्हें साइलेन्स में रहकर एक बाप को याद करना है, इसमें घण्टे आदि बजाने की दरकार नहीं हैं .....घण्टा-घड़ियाल, गीत-भजन, रोना-पीटना कितना भक्ति मार्ग में चलता है। किसम-किसम के आवाज मन्त्र-जन्त्र, स्तुति आदि होती है और ज्ञान मार्ग में है साइलेन्स। सिर्फ इशारा दिया जाता है, आवाज कुछ नहीं।

उत्तर 9- D - क्योंकि मनुष्य पाप कर्म करते हैं

तुम फिर श्रीमत पर क्यों नहीं चलते हो। बाप जमघटों की फाँसी से छुड़ाते हैं, गर्भजेल की सजाओं से छुड़ाते हैं। *तुम स्वर्ग में गर्भ महल में रहते हो। यहाँ है जेल क्योंकि मनुष्य पाप कर्म करते हैं।*

उत्तर 10- C - ब्राह्मण

बाप कहते हैं मन्मनाभव। मौत सामने खड़ा है। *तुमको ही मैसेन्जर अथवा पैगम्बर कहा जाता है।* तुम

ब्राह्मणों के सिवाए कोई मैसेन्जर बन नहीं सकता।

उत्तर 11- B - जो पहले थी अब नही है

बाप आये हैं भक्ति रूपी रात का विनाश कर दिन स्थापन करने क्योंकि बाप को ही बुलाते हैं - हे पतित-पावन आओ। समझते हैं कोई समय हम पावन थे, अब पतित हैं। *चीज़ वह माँगी जाती है जो पहले थी अब नहीं है।*

उत्तर 12- B - सिमर-सिमर सुख पाओ, कलह क्लेष मिटे सब तन के।

बाप की मत मानो। मुझे याद करो। *कहते हैं ना सिमर-सिमर सुख पाओ, कलह क्लेष मिटे सब तन के।* भक्ति मार्ग में कोई कलह-क्लेष मिटता नहीं है। बहुत संन्यासी लोग भी बीमारी में अर्धांग में पड़े रहते हैं। जैसे पागल हो जाते हैं। तुम बच्चे जानते हो बाप की श्रीमत पर चलेंगे तो हम एवरहेल्दी बनेंगे।

उत्तर 13- *C संन्यासी *

अब विनाश सामने खड़ा है। भ्रष्टाचारी भारत को कोई मनुष्य श्रेष्ठाचारी बना नहीं सकता। *बाबा ने समझाया है तो जब देवतायें वाम मार्ग में जाते हैं तो फिर यह संन्यासी पवित्रता के बल से भारत को थमाते हैं।* इस समय तो सब पतित बन गये हैं।

उत्तर 14- *C मम्मा*

होशियार में होशियार ब्रह्मा की बेटी सरस्वती है। वह कहाँ से आई? ब्रह्मा को स्त्री तो नहीं है। वह है ही प्रजापिता। तो वह है मुख वंशावली। यह ड्रामा भी अनादि बना बनाया है। *तो गॉडेज आफ नॉलेज सरस्वती है। अब रिलीजस कान्फ्रेन्स होती है उसमें निराकार शिवबाबा तो जा नहीं सकते। ब्रह्मा को भी नहीं बिठा सकते। माता की महिमा है।* सभी धर्म वालों की हेड माता होनी चाहिए। सभी की माता जगत अम्बा बैठ लोरी दे। बच्चे पैदा होते हैं माँ द्वारा।

उत्तर 15- *B क्षीरखण्ड*

कोई-कोई बच्चे चलते-चलते ब्राह्मणी से भी रूठने के कारण फिर शिवबाबा से भी रूठ पड़ते हैं। *भगवान से रूठना - क्या यह अक्लमंदी है? औरों से रूठे तो रूठने दो, मेरे से रूठे तो मुर्दा बन जायेंगे। शिवबाबा से तो न रूठो।* खजाना लेते रहो, धन दिये धन ना खुटे... संग भी चाहिए। *ब्राह्मण कुल में तो बहुत क्षीरखण्ड होने चाहिए।*

उत्तर 16- *A उडती कला*

अभी चढ़ती कला का समय समाप्त हुआ, अभी उड़ती कला का समय है। उड़ती कला की निशानी है डबल लाइट। थोड़ा भी बोझ होगा तो नीचे ले आयेगा। चाहे अपने संस्कारों का बोझ हो, वायुमण्डल का हो, किसी आत्मा के सम्बन्ध-सम्पर्क का हो, कोई भी बोझ हलचल में लायेगा इसलिए कहीं भी लगाव न हो, जरा भी कोई आकर्षण आकर्षित न करे। *जब ऐसे आकर्षण मुक्त, डबल लाइट बनो तब सम्पूर्ण बन सकेंगे।*